सत्र 2021–22
कक्षा–नवमीं
विषय–हिन्दी
टर्म–2 आदर्श प्रश्न पत्र

समयः 3 घण्टे **पूर्णांकः 50**

निर्देशः 1. सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
2. उत्तर पुस्तिका में प्रश्न का उत्तर देते समय वही क्रम संख्या लिखें जो प्रश्न पत्र में दी गई है।
3. उत्तर पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़िए।
4. सुलेख का विशेष ध्यान रखें।
5. प्रश्न पत्र चार खण्डों 'क, ख, ग, तथा घ' में बँटा है।

खण्ड–क
अपठित गद्यांश

प्रश्नः 1 **निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **(5)**

सत्य की बड़ी महिमा है। मनुष्य को अपने वास्तविक विश्वासों को प्रकट करने का साहस होना चाहिए। चरित्रवान मनुष्यों के लिए यह गुण अत्यन्त आवश्यक है। भय अथवा खुशामद के लिए झूठ बोलना निन्दनीय कार्य है। संसार में दूसरों को उपदेश देने में कुशल लोगों की कमी नहीं है पर कर्त्तव्यपरायण लोगों की कमी है, इसी कारण संसार की सुन्दर से सुन्दर योजनाएं निष्फल हो जाती हैं। जो लोग विपत्ति आने पर भी विचलित नहीं होते, प्रलोभनों के जाल में नहीं फंसते और ध्येय की पूर्ति के लिए लाभ–हानि का ख्याल नहीं करते, वे ही सच्चे कर्त्तव्य परायण समझे जाते हैं।

प्रश्नः–

(क) मनुष्य में किस प्रकार का साहस होना चाहिए?
(ख) किस प्रकार के कार्य को निन्दनीय कहा गया है?
(ग) संसार में कैसे लोगों की कमी नहीं है?
(घ) संसार की सुन्दर से सुन्दर योजनाएँ क्यों निष्फल हो जाती हैं?
(ड०) गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए।

अथवा

उछलते–कूदते हुए हंसमुख बच्चों को जिसने देखा है, उसे पता है कि खेल क्या वस्तु है। गेन्द–बल्ला, हॉकी, फुटबॉल, टेनिस, तैरना, दौड़ना, आंख–मिचौनी, वृक्षों पर चढ़ना, गुल्ली–डंडा आदि अनेक प्रकार के खेल हैं। खेलों से व्यायाम और मनोरंजन दोनों साथ–साथ होते हैं। जिसका मन कहीं पर भी नहीं लगता, उसका मन खेलों में पूरी तरह लग जाता है। खेलने वाला व्यक्ति जितनी देर खेलता है उतनी देर के लिए वह संसार के सारे झंझटों को भूल जाता है, वह निश्चिन्त हो जाता है। उसका मन सदा प्रसन्न रहने लगता है। उसमें फुर्ति आ जाती है। इसलिए सरकारी नौकरियों में खिलाड़ियों को विशेष प्राथमिकता दी जाती है। कई अच्छे खिलाड़ी तो केवल खिलाड़ी होने के नाते ही नौकरियाँ पा जाते हैं। कई विद्यार्थी खेलों को पढ़ाई में बाधक मानते हैं, परन्तु यह उनकी भूल है। सदा खेलों में ही व्यस्त रहना अच्छा नहीं माना जाता, पर शरीर में स्फूर्ति उत्पन्न करने के लिए तथा मस्तिष्क को ताज़ा करने के लिए नियमपूर्वक थोड़ा सा खेलना बहुत अच्छा होता है।

प्रश्नः–

(क) खेलने वाला व्यक्ति कैसे निश्चिंत हो जाता है?
(ख) खेल खेलने से कौन से दो काम एक साथ हो जाते हैं?

Downloaded from cclchapter.com

(ग) गद्यांश में खेलों के कौन से प्रकार बताए गए हैं?

(घ) खिलाड़ियों को विशेष प्राथमिकता कहाँ दी जाती है?

(ङ) गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए।

खण्ड–ख

(पठित गद्याँश व पद्याँश)

प्रश्नः 2 निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ.कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें– **(5)**

सन् 57 के सितम्बर मास में अर्द्धरात्रि के समय चांदनी में एक बालिका स्वच्छ उज्ज्वल वस्त्र पहने हुए नानासाहब के भग्नावशिष्ट प्रासाद के ढेर पर बैठी रो रही थी। पास ही जनरल अउटरम की सेना भी ठहरी थी। कुछ सैनिक रात्रि के समय रोने की आवाज सुनकर वहाँ गए। बालिका केवल रो रही थी। सैनिकों के प्रश्न का कोई उत्तर नहीं देती थी।

इसके बाद कराल रूपधारी जनरल अउटरम भी वहां पहुँच गया। वह उसे तुरन्त पहिचान कर बोला–''ओह! यह नाना की लड़की मैना है।'' पर वह बालिका किसी ओर न देखती थी और न अपने चारों ओर सैनिको को देखकर ज़रा भी डरी। जनरल अउटरम ने आगे बढ़कर कहा–''अंग्रेज़ सरकार की आज्ञा से मैंने तुम्हें गिरफ़तार किया।''

प्रश्नः–

(क) पाठ और लेखक/लेखिका का नाम लिखें।

(ख) बालिका स्वच्छ उज्ज्वल वस्त्र पहने हुए कब और कहां बैठकर रो रही थी?

(ग) बालिका ने सैनिकों के प्रश्न का क्या उत्तर दिया?

(घ) जनरल अउटरम ने बालिका मैना की ओर आगे बढ़कर क्या कहा?

(ङ) जनरल अउटरम की सेना कहां ठहरी थी?

अथवा

तुम फोटो का महत्व नहीं समझते। समझते होते, तो किसी से फोटो खिंचाने के लिए जूते मांग लेते। लोग तो माँगे के कोट से वर–दिखाई करते हैं। और माँगे की मोटर से बारात निकालते हैं। फोटो खिंचाने के लिए तो बीवी तक माँग ली जाती है, तुमसे जूते ही माँगते नहीं बने। तुम फोटो का महत्व नहीं जानते। लोग तो इत्र चुपड़कर फोटो खिंचाते हैं जिससे फोटो में खुशबू आ जाए। गंदे से गंदे आदमी की फोटो भी खुशबू देती है।

प्रश्नः–

(क) फोटो के महत्व को कौन नहीं जानता और क्यों?

(ख) लोग फोटो खिंचाने के लिए क्या–क्या करते हैं?

(ग) गंदे से गंदे आदमी की फोटो भी खुशबू देती है, में छिपा व्यंग्य स्पष्ट कीजिए?

(घ) प्रेमचन्द ने कैसे जूतों में फोटो खिंचवा ली थी?

(ङ) पाठ व लेखक का नाम लिखें।

प्रश्नः 3 निम्नलिखित पठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ.कर नीचे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(5)**

मोरपखा सिर ऊपर राखिहौं, गुंज की माल गरें पहिरौंगी।
ओढ़ि पितंबर लै लकुटी बन गोधन ग्वारिन संग फिरौंगी।।
भावतो वोहि मेरो रसखानि सों तेरे कहे सब स्वाँग करौंगी।
या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी।।

प्रश्नः–

(क) कवि व कविता का नाम लिखें।

(ख) गोपी मुरली को अपने होंठों पर क्यों नहीं रखना चाहती?

Downloaded from cclchapter.com

(ग) मुरलीधर कौन है?
(घ) किसके प्रेम को किस के प्रति प्रकट किया गया है?
(ङ०) गोपी कैसा स्वांग धारण करना चाहती हैं?

अथवा

कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं
सुबह सुबह
बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह
काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?

प्रश्नः–

(क) कविता व कवि का नाम लिखें।
(ख) बच्चे किस समय कहां जा रहे हैं?
(ग) कवि ने किसे भयानक माना है?
(घ) कवि इस बात को किस रूप में प्रकट करना चाहता है?
(ङ०) पंक्तियों में निहित भाव को प्रतिपादित कीजिए?

खण्ड–ग
(व्याकरण भाग)

प्रश्नः 4 (क) **निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया भेद लिखिए–** **(1)**
(1) मोहन पतंग उड़ा रहा है।
(2) माँ नौकरानी से बच्चे को दूध पिलवाती है।

(ख) **निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय छांट कर लिखें–** **(1)**
(1) मुदिता ध्यानपूर्वक पढ़ती है।
(2) मैं घर जा रहा हूँ ताकि माँ को दवा पिला सकूँ।

(ग) **रचना के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के भेद लिखिए–** **(1)**
(1) जल्दी चलिए अन्यथा बहुत देर हो जाएगी।
(2) छात्र मोहन की शिकायत दबी जबान से कर रहे थे।

(घ) **निम्नलिखित वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन करें–** **(1)**
(1) प्रेमचन्द द्वारा यह उपन्यास लिखा गया। (कर्तृ वाच्य में बदलकर लिखें)
(2) अब चलें। (भाववाच्य में बदलकर लिखें)

(ङ०) **अधोलिखित वाक्यों में उद्देश्य और विधेय छाँट कर लिखें––** **(1)**
(1) कंचन नवमीं कक्षा में पढ़ रही है।
(2) मैंने उसे तार द्वारा सूचित किया।

प्रश्नः 5 **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत–बिंदुओं के आधार पर लगभग 200–250 शब्दों में निबन्ध लिखिएः** **(7)**

(क) **विद्यार्थी जीवनः–** (भूमिका, गुण, कर्त्तव्य, उपसंहार)
(ख) **व्यायाम के लाभः–** (भूमिका, व्यायाम के प्रकार, व्यायाम की विधियाँ, व्यायाम का महत्व, उपसंहार)

Downloaded from cclchapter.com

(ग) **कम्प्यूटर आज की आवश्यकताः–** (भूमिका, कम्प्यूटर का आविष्कार, कम्प्यूटर का प्रयोग, उपसंहार)

(घ) **दीपावलीः–** (भूमिका, मनाने का कारण, दीपावली की तैयारी, प्रकाश और आनंद का त्यौहार, लक्ष्मी पूजन, कुरीतियों का समावेश, उपसंहार)

प्रश्नः 6 **अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को शिक्षा–शुल्क क्षमा हेतु एक प्रार्थना पत्र लिखें** **(5)**

अथवा

अपने मित्र को उसकी माता जी के आकस्मिक निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए एक संवेदना पत्र लिखें।

खण्ड–घ
(पाठ्य पुस्तकों पर आधारित प्रश्न)

प्रश्नः 7 **निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दें–** **(2+2+2=6)**

(क) मैना जड़ पदार्थ मकान को बचाना चाहती थी पर अंग्रेज उसे नष्ट करना चाहते थे क्यों?

(ख) 'तुम परदे का महत्व ही नहीं जानते, हम परदे पर कुर्बान हो रहे हैं! 'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ के आधार पर उपरोक्त पंक्ति में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए?

(ग) लेखिका उर्दू फारसी क्यों नहीं सीख पाई?

(घ) बालिका मैना के चरित्र की कौन–कौन सी विशेषताएँ आप अपनाना चाहेंगे और क्यों?

(ङ०) जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका महादेवी वर्मा ने आज के संदर्भ में स्वप्न जैसा क्यों कहा है?

प्रश्नः 8 **कविताओं पर आधारित निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **(2+2+2=6)**

(क) कवि का ब्रज के वन, बाग और तालाब को निहारने के पीछे क्या कारण हैं?

(ख) लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों?

(ग) बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है?

(घ) ब्रज भूमि के प्रति कवि का प्रेम किन–किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है?

(ङ०) 'मेघ आए' कविता में जिन रीति–रिवाज़ों का चित्रण हुआ है, उनका वर्णन कीजिए।

प्रश्नः 9 **पूरक पुस्तक 'कृतिका भाग–1' पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–** **(2+2+2=6)**

(क) राम स्वरूप का अपनी बेटी को उच्च शिक्षा दिलवाना और विवाह के लिए छिपाना, यह विरोधाभास उनकी किस विवशता को उजागर करता है?

(ख) 'रीढ़ की हड्डी' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(ग) कथावस्तु के आधार पर आप 'रीढ़ की हडडी' एकांकी का मुख्य पात्र किसे मानते हैं और क्यों?

(घ) अपनी बेटी का रिश्ता तय करने के लिए राम स्वरूप उमा से जिस प्रकार के व्यवहार की अपेक्षा कर रहे हैं, वह उचित क्यों नहीं है?

Downloaded from cclchapter.com